

SHRI CHO S. RAMASWAMY (POSTHUMOUS)

Shri Cho S. Ramaswamy was born on December 07, 1934 at Chennai in a Lawyers family. Having educated at the then Madras University, he came through with a Graduation as a Bachelor of Science from Vivekananda College and then got through as a Law Graduate in Madras Law College. Shri Cho S. Ramaswamy was known as a multi-faceted personality and he was a true patriotic, caring for the common man.

2. Shri Cho S. Ramaswamy had established himself in many walks of life. In his early days he got himself enrolled as an Advocate in the High Court of Madras and practised as a Lawyer during 1957 to 1962. He served as a Legal Consultant to the famous T T K Group of Company for some time.

3. Shri Cho S. Ramaswamy ventured into the tinsel world of Tamil cinema and had acted in about 180 films. Besides, he had also penned many stories out of which fourteen of them were made in to cinemas. He had also directed four movies and most of them became popular and much talked about for their comedy and entertainment.He had written many a novels and stage plays (23 plays) and had acted in the main role of those dramas. His plays were staged by VIVEKA FINE ARTS for thousands of time. He had acted in about 180 Films. He has made five Television serials, written ten novels and a number of write ups which were published by media& publication houses. His works. Ramayanam, Mahabharatham, Pesugirathu and Hindu Maha Samudhram had contributed to the growth of Hinduism.

4. Shri Cho S. Ramaswamy served as the Chairman of PUCL during 1980 - 82. Shri Cho S. Ramaswamy was a nominated Member of Rajya Sabha and had served as an M.P during 1999 to 2005. Shri Cho S. Ramaswamy's played an important role as a journalist by establishing and effectively running the Tamil Magazine THUGLAK for about 46 years (since its inception in 1970 till his demise in December 2016) which had kept him in the lime light of Indian Politics and he was liked and respected by almost all the Leaders both in the Centre and the State Level.

5. Shri Cho S. Ramaswamy had received HAIDI GITI AWARD in 1985, VEERAKESARI AWARD in 1986, the P.T. GOENKA AWARD in 1998 and PANCHAJANYA AWARD during his life time.

6. Shri Cho S. Ramaswamy passed away on December 7, 2016



श्री चो ऐस. रामास्वामी (मरणोपरांत)

श्री चो एस. रामास्वामी का जन्म दिनांक दिस्म्बर 07, 1934 में चैन्नई में एक अधिवक्ता परिवार में हुआ था। मद्रास विश्वविद्यालय में शिक्षा लेने के पश्चात्, (उस समय के) वेंकटानन्द कॉलेज से बैचलर ऑफ साइंस में स्नातक किया और तत्पश्चात् मद्रास लॉ कालेज से विधि स्नातक की डिग्री प्राप्त की । आपको बहु- आयामी व्यक्तित्व के लिए जाना जाता है और आप वस्तुत: एक ऐसे देशभक्त हैं जिन्हें जन साधारण की परवाह रहती है।

2. आपने जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनायी है। अपने पूर्ववर्ती जीवन में आपने मद्रास उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में अपना नामांकन कराया और वर्ष 1957 से 1962 तक एक अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस की। आपने एक प्रख्यात टी. टी. के. ग्रुप ऑफ कम्पनी में कुछ समय के लिए एक विधिक परामर्शदाता के रूप में अपनी सेवाएं दी।

3. आपने तमिल सिनेमा जगत के रुपहले संसार में कदम रखा और लगभग 180 फिल्मों में अभिनय किया है। इसके साथ ही साथ आपने अनेक कहानियां भी लिखी है जिनमें से 14 कहानियों को सिनेमा में फिल्माया गया है। आपने 4 फिल्मों का निर्देशन भी किया है और उनमें से अधिकांश आपकी हास्य और मनोरंजनात्मक शैली के लिए लोकप्रिय रही हैं और अत्यधिक सराही गयी हैं। आपने अनेक उपन्यास और रंग मंच नाटक (23 नाटक) लिखे हैं और उन नाटकों में मुख्य भूमिका का अभिनय किया है। आपके नाटकों को हजारों बार 'विवेका फाइन आर्टस' द्वारा स्टेज पर दिखाया गया। आपने लगभग 180 फिल्मों में काम किया है और पांच टेलीविजन सीरियल, दस उपन्यास और अनेकों लेख लिखे हैं जिन्हें मीडिया और पब्लिकेशन हाउसों द्वारा प्रकाशित किया गया है। रामायणम, महाभारतम, पेशुगिराथू और हिन्दु महासमुद्रम जैसे कार्यों ने हिन्दूवाद के विकास में सराहनीय योगदान दिया है।

4. आपने वर्ष 1980-82 के दौरान पीयूसीएल के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। आपको राज्य सभा का सदस्य भी मनोनीत किया गया और आपने वर्ष 1999 से 2005 तक संसद सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। आपने 46 वर्षों तक (1970 में इसकी स्थापना से लेकर दिसम्बर, 2016 में अपने निधन होने तक) तमिल मैगजीन 'थूगलक' के संपादन की स्थापना कार्य और उसका प्रभावकारी तरीके से संचालन करके एक पत्रकार के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिसके फलस्वरूप आप भारतीय राजनीति में एक प्रखर व्यक्तित्व के रूप में उभरकर सामने आए और आपको केन्द्र और राज्य दोनों स्तर के सभी राजनेताओं द्वारा अत्यधिक सम्मान दिया गया है।

5. आपको अपने जीवन काल के दौरान अनेक महत्वपूर्ण पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें 1985 में हैदी गिटी अवार्ड, 1986 में वीर केशरी अवार्ड, 1998 में पी टी गोयनका अवार्ड और पांचजन्य अवार्ड मुख्य रूप से उल्लेखनीय है।

6. 7 दिसम्बर, 2016 को आपका देहावसान हो गया।